राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1598

04 मार्च, 2020 को उत्तर के लिए

इस्पात उद्योग में मंदी

1598. श्री आर. वैद्यलिंगमः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मांग में कमी, इस्पात के दामों में गिरावट और लौह-अयस्क के दामों में बढ़ोतरी के कारण घरेलू इस्पात उद्योग मुश्किल दौर से गुजर रहा है;

(ख) क्या ऑटो और विनिर्माण क्षेत्र से कमजोर मांग के कारण भारत की इस्पात संबंधी मांग में वृद्धि की गति में कमी आने की संभावना है;

(ग) क्या यह सच है कि भारत में इस्पात की मांग '2022 तक सभी के लिए आवास' मिशन से, जिसके अन्तर्गत आगामी दो वर्षों में 19.5 मिलियन आवास निर्मित किए जाने का लक्ष्य है, के साथ रेलवे, सड़कों तथा मेट्रो पर 140 बिलियन अमरीकी डॉलर के व्यय से चालित होने की संभावना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): जी नहीं। पिछले दो वर्षों के दौरान भारत में कुल फिनिश्ड इस्पात की खपत में वृद्धि का विवरण नीचे तालिका में दर्शाया गया है। हालांकि चालू वर्ष के दौरान इस्पात बाजार के समग्र रुझान के कारण इस्पात की कीमतों में गिरावट का रुझान दर्ज किया गया है। परंतु अक्टूबर, 2019 के बाद इसमें वृद्धि देखी गई है। लौह अयस्क की कीमतें बाजार के समीकरणों पर निर्भर करती हैं और वर्ष के दौरान समय-समय पर इसमें उतार-चढ़ाव हुआ।

वर्ष	फिनिश्ड इस्पात की खपत	
	हजार टन	% बदलाव
2017-18	90707	7.93
2018-19	98708	8.82
अप्रैल-जनवरी, 2019	80816	-
अप्रैल-जनवरी, 2020	83896	3.81

स्रोत: जेपीसी

(ख): ऑटो एवं विनिर्माण माँग का इस्पात क्षेत्र से परस्पर संबंध है। इस्पात की माँग का ऑटो क्षेत्र में माँग से सीधा संबंध है। पिछले वर्ष ऑटोमोबाइल क्षेत्र में माँग में गिरावट के कारण ऑटो क्षेत्र के लिए इस्पात की माँग में कमी आई है।

(ग) और (घ): जी हाँ। भारत में इस्पात की माँग पर सभी के लिए आवास तथा रेलवे, सड़कों पर व्यय के माध्यम से सीधा प्रभाव पड़ेगा।

****